युवाओं की माँग परमाणु अस्त्रों का उन्मूलन – नए समझौते के लिए ज़ोर

संवाददाता जमशेद बरूया

IDN-InDepth NewsInterview (आइ डी एन – इन डैप्थ न्यूज़ इन्टर्व्यू)

बर्लिन/टोक्यो (आइ डी एन) – दुनिया भर के वरिष्ठ अधिकारी जहाँ न्यूयौर्क में परमाणु हथियारों के फैलाव को रोकने का उद्देश्य रखते समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, वहीं छः देशों के युवाओं के व्यवहार को ध्यान से देखने पर, शाँतीप्रीय संस्कृति के प्रचार की आवश्यक्ता पर, समीक्षात्मक पहचान सामने आती है।

सोका गक्काई इन्टरनैश्नल, दुनिया भर में 12 मिलियन सदस्यों के बौध संघ के युवा सदस्यों ने, अपने साथियों से, परमाणु हथियारो एवं उनके उन्मूलन पर उनकी राय पूछी।

जनवरी एवं मार्च 2010 के बीच, Nuclear Nonproliferation Treaty (NPT) न्यूकलीयर नौनप्रौलिफरेशन संधी के समीक्षा सम्मेलन से पूर्व, यह सर्वेक्षण किया गया। इसमें जापान, कोरिया, फिलिपिन, न्यूजीलैन्ड, अमरीका एवं इन्गलैन्ड से 4,362 युवायों ने भाग लिया।

इस सर्वेक्षण का पेचीदा पहलू यह है कि न्यूक्लियर देशों के बीच, सिर्फ 59.2 प्रतिशत अमरीकन नवयुवक एवं 30 साल से कम उम्र के युवा ही इस बात से परिचित थे कि अमरीका के पास परमाणु अस्त्र हैं। और ब्रिटन में, सिर्फ 43.2 प्रतिशत युवाओं ने अपने देश को न्यूक्लियर पावर (परमाणु शक्ति) के रूप में पहचाना।

न्यूकलीयर हथियार किन देशों के पास हैं, इस सवाल के जवाब में, इन्टर्व्यू किये गये लोगों में से 66.9 प्रतिशत ने अमरीका को, 48.7 ने रूस, 30 प्रतिशत ने चीन, 19.8 प्रतिशत ने इन्गलैण्ड एवं 19.8 प्रतिशत ने फ्रान्स को चुना।

उत्तर देने वालों में से बहुत कम को इस बात का ज्ञान था कि भारत, पाकिस्तान एवं इजरैल के पास भी परमाणु हथियार हैं, जबकि 40.7 प्रतिशत का सोचना था कि उत्तरी कोरिया के पास परमाणु हथियार हैं।

created with the trial version of PDF-Creator.net

इस सर्वेक्षण के आयोजक, सोका गक्काइ युवा मंडल के नेता, टाकाहिसा मीयाओ ने इस बात की ओर संकेत करते हुए कहा, "उत्तर देने वालों में से 70 प्रतिशत ने कहा कि परमाणु हथियार का उपयोग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह बात प्रोत्साहक है। युवा पीढी की परमाणु हथियारों के उपयोग पर व्यापक, अस्वीकरण की नींव, उन्मूलन की ओर रखे जा रहे प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है।"

IDN-InDepthNews के साथ ई-मेल इन्टर्व्यू में, टाकाहिसा मीयाओ ने सर्वेक्षण से जुड़े विषयों पर टिप्पणी दी:

IDN: आपके विचार में, इस सर्वेक्षण में कौन सा महत्वपूर्ण पहलू, उभर कर सामने आया है?

टाकाहिसा मीयाओ (TM): हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण परिणाम था कि पूरे सर्वेक्षण में, 60 से 70 प्रतिशत उत्तर देने वालों का, परमाणु हथियारों प्रति निषेधात्मक रवैया था। यह भी साफ हुआ कि परमाणु हथियारों के नुकसान एवं आतंक के बारे में, लोगों को जितनी पुखता एवं विस्तार पूर्वक जानकारी मिलेगी, उतने शक्तिशाली ढंग से वे इनका उन्मूलन करेंगे। साथ ही यह भी कि परमाणु हथियारों के बारे में लोगों को जानकारी देने से, इनके उन्मूलन प्रति जनमत को, प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

वहीं उत्तर देने वालों में एसा भी वर्ग है जिनके विचार परमाणु हथियारों के ना पक्ष में हैं न ही विरूध।

फिर भी, उन परिस्थितियों को देखें जिनमें लोगों को लगता है कि परमाणु हथियारों को प्रयोग में लाया जा सकता है, यह साफ है कि बहुसंख्यक का मानना है कि ये हथियार अलग वर्ग में आते हैं, आम हथियारों से अलग। दूसरी ओर लगभग 10 प्रतिशत उत्तर देने वालों ने परमाणु हथियारों के उन्मूलन प्रति थोड़ी हिचकिचाहट व्यक्त की ; वहीं 30 प्रतिशत को यह मालूम नहीं था कि परमाणु हथियारों का उन्मूलन अच्छी बात है या बुरी।

IDN: आपके विचार में, युवा पीढी को, परमाणु हथियारों के उन्मूलन की आवश्यकता प्रति जागरूक करने के लिए, क्या करना चाहिए - उन देशों में जहाँ ये हैं और जहाँ ऐसे हथियार नहीं हैं।

created with the trial version of PDF-Creator.net

TM: मैं फिर से यही कहूँगा, सबसे महत्वपूर्ण बात है, परमाणु हथियारों के नुकसान एवं आतंक के बारे में, लोगों को जानकारी देना। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि समय के साथ, हिरोशीमा एवं नागासाकी में जो हुआ था, उसकी याद फीकी पड़ती जा रही है।

हमने पाँच भाषाओं में अनुवाद की गई डी वी डी, जिसमें इस न्यूकलियर हादसे में बचे लोगों के कथन को रिकार्ड किया गया है साथ ही परमाणु निश:स्त्रीकरण एवं सुरक्षा उपायों, ‘हिंसात्मक संस्कृति से शाँतीप्रीय संस्कृति की ओर: मानव स्वभाव में बदलाव’ शीर्षक एक प्रर्दशनी, जिसे 23 देशों में 170 शहरों में देखा जा चुका है। लोगों का जवाब बहुत प्रोत्साहक रहा है।

जिन लोगों ने यह प्रर्दशनी देखी है उनका कहना है कि उन्हें परमाणु हथियारों के नुकसान प्रति नई जानकारी मिली है और इन हथियारों के उन्मूलन प्रति उनका संकल्प और पक्का हो गया है। लोगों ने साहस एवं आत्म-विश्वास व्यक्त किया साथ ही कि जनमत में बदलाव, परमाणु हथियारों के उन्मूलन को सम्भव कर पायेगा। जापान में सोका गक्काई के युवा सदस्य, परमाणु हमले के शिकार, हिबाकुशा के वंशज हैं।

हम ये अनुभव भविष्य में बताना चाहते हैं, दुनिया के युवाओं में विष्वीय एकता का निर्माण करना चाहते हैं।

साकार एवं पक्के इरादे महत्वपूर्ण हैं और हम परमाणु हथियारों के हर पहलू पर पूरी तरह से रोक लगाने की माँग करती, न्यूक्लियर वैपन कनवैन्शन, का समर्थन करते हैं। बाकि चीजों के साथ साथ, इस विषय पर लोगों का ध्यान खेंचने में यह प्रभावशाली माध्यम है।

इस तरह की एक और, परमाणु हथियारों पर रोक लगाने की माँग करती संधी की हमारी माँग उन परमाणु हथियारों पर जागरुकता लाएगी जिन्हें पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। हर व्यक्ति में इस बात की चेतना उत्पन करने से, अंतत: विष्व भर में परमाणु हथियारों प्रति, प्रभावशाली नियामक चेतना उत्पन करेगी। इस संदर्भ में, यू एन सैक्रेटरी-जनरल (महासचिव) बन की-मून द्वारा, NPT रिव्यू कौन्फरैन्स की शुरुआत में दिये गये वक्तव्य में, न्यूक्लियर वैपन कनवैन्शन के सर्मथन में कहे शब्दों से हमें प्रोत्साहन मिला है।

बहुत लोगों के लिए, खासतौर पर युवायों के लिए, परमाणु हथियार दूर की बात हैं, उनकी रोजमर्रा की जिन्दगी से असंबद्धित। हम इसे बदलना चाहते हैं, अपने प्रयत्नों द्वारा, NGO साथियों एवं उचित UN संस्थायों के साथ काम कर, न्यूक्लियर वैपन कनवैन्शन की अपनी माँग का प्रचार कर। (IDN-InDepthNews/12.05.2010)

अनुवादक - गीतिका भारद्वाज

Copyright © 2010 IDN-InDepthNews | Analysis That Matters

created with the trial version of PDF-Creator.net